फ्लोटिंग रेट ऋण

प्रिलिम्स के लिये:

[भारतीय रिज़र्व बैंक](), **समान मासिक किश्तें (EMIs), फ्लोटिंग रेट ऋण**

मेन्स के लिये:

फ्लोटिंग रेट ऋण की अवधारणा, वित्तीय संस्थानों में चुनौतियाँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने पारदर्शिता बढ़ाने और फ्लोटिंग रेट ऋणों के लिये **समान मासिक किस्तों** (Equated Monthly Installments-EMI) को पुनर्व्यवस्थित करने के लिये उचित नियम स्थापित करने हेतु एक व्यापक ढाँचा प्रस्तुत किया है।

- इसका उद्देश्य **उधारकर्त्ताओं की चिंताओं को दूर करना** तथा **वित्तीय संस्थानों के उचित व्यवहार को सुनिश्चित** करना है।

फ्लोटिंग रेट ऋण:

- फ्लोटिंग रेट ऋण ऐसे ऋण होते हैं जिनकी ब्याज दर **बेंचमार्क दर या आधार दर/बेस रेट** के **आधार पर समय-समय पर बदलती** रहती है।
  - **आधार दर/बेस रेट** वह दर है जिस पर **भारतीय रिज़र्व बैंक** वित्तीय संस्थानों को पैसा उधार देता है, यह दर बाज़ार द्वारा प्रभावित होती है और [रेपो रेट]() इसका सबसे सामान्य उदाहरण है।
- फ्लोटिंग रेट ऋण को **परिवर्तनीय** अथवा **समायोज्य-दर ऋण** के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि ये ऋण की अवधि के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं।
- **क्रेडिट कार्ड, बंधक/गिरवी रखी वस्तुओं और अन्य उपभोक्ता ऋणों** के लिये फ्लोटिंग रेट ऋण बहुत आम हैं।
- **यदि भविष्य में ब्याज दरों में गिरावट का अनुमान है तो उधारकर्त्ताओं को फ्लोटिंग रेट ऋण से लाभ** होता है।
  - **इसके विपरीत एक निश्चित ब्याज दर वाले ऋण के लिये उधारकर्त्ता को ऋण अवधि के दौरान निर्धारित किश्तों का भुगतान करना पड़ता है। यह अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव के समय अधिक सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करता है।**

निर्धारित दर (Fixed Rate)	निर्धारित दर बनाम फ्लोटिंग ब्याज दर (Fixed Rate Vs Floating Rate of Interest)	फ्लोटिंग रेट/अस्थायी दर (Floating Rate)
लाभ बाज़ार की स्थितियों के बावजूद ब्याज दर स्थिर रहती है। [//]() फिक्स्ड रेट होम लोन उन लोगों के लिये अच्छा है जो एक निश्चित मासिक पुनर्भुगतान कार्यक्रम चाहते हैं।	 **ब्याज की निश्चित दर क्या है?**	**लाभ** निश्चित ब्याज दरों से कम-से-कम 1-2% सस्ता। दीर्घावधि में ब्याज दरें घट सकती हैं।

 यह निश्चितता और सुरक्षा की भावना लाता है। 	निश्चित ब्याज दर का अर्थ है ऋण की पूरी अवधि के दौरान निश्चित समान किश्तों में होम लोन का पुनर्भुगतान। **फ्लोटिंग ब्याज दर क्या है?** फ्लोटिंग ब्याज दर बाज़ार की स्थितियों के साथ बदलती रहती है, फ्लोटिंग ब्याज दर होम लोन, बेस रेट और फ्लोटिंग एलमिंट्स से जुड़ी होती है।	 फ्लोटिंग ब्याज दरों के माध्यम से बचत होती है। 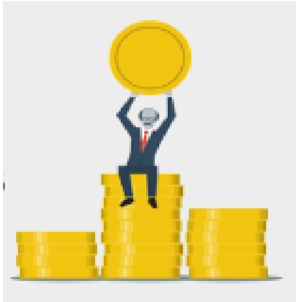
कमियाँ आमतौर पर फ्लोटिंग रेट होम लोन से 1-2.5% अधिक होता है।		**कमियाँ** मासिक किश्तों की असमान प्रकृति वित्तीय नियोजन को कठिन बना देती है।

नए पारदर्शी ढाँचे की आवश्यकता:

- मुद्रास्फीति **को नियंत्रण** में रखने के प्रयास में RBI **रेपो दरें** बढ़ाता रहा है। रेपो दरों में वृद्धि के साथ फ्लोटिंग दरें भी बढ़ जाती हैं। इसका आशय है कि उधारकर्त्ताओं को अधिक EMI भुगतान करना पड़ सकता है।
  - यह पाया गया है कि अधिक EMI मांगने के बजाय कुछ बैंक **उधारकर्त्ता को सूचित किये बिना ऋण की अवधि बढ़ा रहे हैं।**
  - इससे ऋण के पुनर्भुगतान में **अनावश्यक रूप से अधिक** समय लग रहा है **तथा यह उधारकर्त्ताओं की उचित सहमति के बिना हो रहा है।**
- उधारकर्त्ताओं को **इंटरनल बेंचमार्क रेट (Internal Benchmark Rate)** में बदलाव और ऋण की अवधि के दौरान होने वाली क्षति से बचाना।
- उधारकर्त्ताओं द्वारा सामना किये जाने वाले मुद्दों जैसे- **फोरक्लोज़र चार्ज (Foreclosure Charges), स्विचिंग ऑप्शन (Switching Options) और प्रमुख नियमों एवं शर्तों** के बारे में जानकारी की कमी का समाधान करना।

RBI द्वारा प्रस्तावित ढाँचे की विशेषताएँ:

- ऋणदाताओं को **अवधि और/या EMI के पुनः निर्धारण हेतु उधारकर्त्ताओं के साथ स्पष्ट रूप से संवाद करना चाहिये।**
- RBI ने ऋणदाताओं से कहा है कि वे जब भी चाहें उधारकर्त्ताओं को **फिक्स्ड-रेट होम लोन (Fixed-Rate Home Loans) पर स्विच करने** या ऋण को फोरक्लोज़र (Foreclosure) करने का **विकल्प प्रदान कर सकते हैं।**
- **बैंकों को इन विकल्पों के प्रयोग से जुड़े विभिन्न शुल्कों के बारे में पहले से ही उधारकर्त्ताओं को बताना होगा और उन्हें महत्त्वपूर्ण जानकारी देनी होगी।**
  - इसके परिणामस्वरूप उधारकर्त्ता अपने गृह ऋण का भुगतान करते समय अधिक जानकारीपूर्ण निर्णय ले सकेंगे।
- ऋणदाताओं को **उत्पीड़न, धमकी या गोपनीयता का उल्लंघन जैसी अनैतिक या ज़बरदस्ती ऋण वसूली** प्रथाओं में शामिल नहीं होना चाहिये।

प्रस्तावित ढाँचे से उधारकर्त्ताओं और ऋणदाताओं को लाभ:

- इससे उधारकर्त्ताओं के पास **अपने फ्लोटिंग रेट ऋणों के संबंध में अधिक स्पष्टता, पारदर्शिता एवं विकल्प होंगे** और वे बिना किसी दंड या परेशानी के उनसे बाहर निकलने या स्विच करने में सक्षम होंगे।
- इसके चलते उधारकर्त्ता ऋणदाताओं द्वारा ब्याज दरों या EMI में **अनुचित या मनमाने ढंग से किये गए परिवर्तन से सुरक्षित रहेंगे** और अपने वित्त की बेहतर योजना बनाने में सक्षम होंगे।
- इसके कारण **उधारकर्त्ताओं के साथ ऋणदाता सम्मानपूर्वक व्यवहार करेंगे** और ऋण वसूली के दौरान उन्हें उत्पीड़न या दुर्व्यवहार का सामना

नहीं करना पड़ेगा।

- इसके द्वारा **ऋणदाता अच्छे ग्राहक संबंध और विश्वास बनाए रखने में सक्षम होंगे एवं अनुचित ऋण आचरण के** कारण प्रतिष्ठा को जोखिम या कानूनी कार्रवाई से बच सकेंगे।
- इससे ऋणदाता अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन में सुधार एवं नियामक मानदंडों व अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/floating-rate-loans